माँ महागौरी की आरती

महाँगौरी दया कीजे, जगजननी दया कीजे।
उमा रमा ब्रम्हाणी ॥, अपनी शरण लीजे,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

गौर वर्ण अति सोहे, वृषभ की असवारी ॥ मईया ॥
स्वेत वस्त्रो में मईया ॥, लागे छवि प्यारी,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

सृष्टि रूप तुम्हीं हो, शिव अंगी माता ॥ मईया ॥
भक्त तुम्हारे अनगिन ॥, नित प्रतिगुण गाता,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

दक्ष के घर जन्मी तुम, ले अवतार सती ॥ मईया ॥
प्रगटी हिमाचल के घर ॥, बने शिवा पार्वती,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

नवदुर्गो में मईया, आठवाँ तेरा स्वरूप ॥ मईया ॥
शिव भी मोहित हो गए ॥, देख के तेरा रूप,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

आठवें नवरात्रे को, जो व्रत तेरा करे ॥ मईया ॥
पाता प्यार तुम्हारा ॥, भव सिंधु वो तरे,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

वेद पुराण में महिमा, तेरी है अपरम्पार ॥ मईया ॥
हम अज्ञानी कैसे ॥, पाए तुम्हारा पार,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

महाँगौरी महाँमाया, आरती तेरी गाते ॥ मईया ॥
करुणामयी दया कीजे ॥, निशदिन तुझे ध्याते,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

शिव शक्ति महाँगौरी, चरण शरण कीजे ॥ मईया ॥
बालक जानके अपना ॥, हमपे दया कीजे,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

महाँगौरी दया कीजे, जगजननी दया कीजे।
उमा रमा ब्रम्हाणी ॥, अपनी शरण लीजे,,,
महाँगौरी दया कीजे,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31224/title/aarti-maa-mahagauri-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |